बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)
संस्कृत

सत्रीय कार्य

जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023 सत्रों के लिए

BSKC – 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022–23)

पाठ्यक्रम कोड : **BAG/BSKC-131/2022 - 23**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का श्ण्षीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है ।

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 30 अप्रैल, 2023

जनवरी 2023 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2023

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – **BSKC-131**
पाठ्यक्रम षीर्षक – संस्कृत पद्य–साहित्य
सत्रीय कार्य – **BSKC – 131/TMA/2022-2023**

पूर्णांक – 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :– **10X3=30**

(क) प्रजानामेव भूत्यर्थ स ताभ्यो बलिग्रहीत्।
सहस्त्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ।।18।।

अथवा

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमश्वरौ।।1।।

(ख) सम्पदा सुस्थिरम्मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः।
कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम्।। 32।।

अथवा

असम्पादयतः कञ्चिदर्थ जातिक्रियागुणैः।
यदृच्छाशब्दवत्पुंसः संज्ञायै जन्म केवलम्।। 47।।

(ग) साहित्यसङ्.गीतकलाविहीननस्साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन् अपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्।। 12।।

अथवा

यदा किंचिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं
तदा सर्वज्ञोऽस्मीतत्यभवदवलिप्तं मम मनः।
यदा किंचित्किंचिद् बुधजनसकाशादवगतं
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो में व्यपगतः।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :– **5X5=25**

2. महाभारत की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए ?

3. कालिदास और उनकी कृतियों पर प्रकाश डालें ?

4. भारवि के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का विवेचन करें ?

5. सीता का चरित्र चित्रण करें ?

6. भर्तृहरि का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करें ?

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

7. रघुवंश महाकाव्य पर का विस्तृत परिचय देवें ? 10

8 महाकवि माघ का परिचय प्रस्तुत करें ? 10

9 खण्डकाव्य का विस्तृत विवेचन करें ? 10

10 निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए :– 15

(क) रघुवंश (ख) शिशुपालवध

(ग) सुदक्षिणा। (घ) नीतिशतकम